खण्ड-07 सत्र-05 अंक-57

शुक्रवार 23 फरवरी, 2024
04 फाल्गुन, 1945 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

सातवीं विधान सभा

पाँचवां सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-07 सत्र-05 में अंक 50 से अंक 70 तक सम्मिलित हैं)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

राज कुमार

सचिव

RAJ KUMAR

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-5 शुक्रवार, 23 फरवरी, 2024/04 फाल्गुन, 1945 (शक) अंक-57

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	धन्यवाद प्रस्ताव	3-6
2.	विशेष उल्लेख (नियम-280)	7-48
3.	सदन में अव्यवस्था	49

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5 शुक्रवार, 23 फरवरी, 2024/04 फाल्गुन, 1945 (शक) अंक-57

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अजेश यादव
2. श्री अखिलेशपति त्रिपाठी
3. श्रीमती ए. धनवंती चंदीला ए.
4. श्री अजय दत्त
5. श्री अब्दुल रहमान
6. श्रीमती बंदना कुमारी
7. सुश्री भावना गौड
8. श्री बी. एस. जून
9. श्री हाजी युनूस
10. श्री जय भगवान
11. श्री जरनैल सिंह
12. श्री कुलदीप कुमार
13. श्री महेंद्र गोयल
14. श्री मुकेश अहलावत
15. श्री मदन लाल
16. श्री नरेश यादव
17. श्री प्रवीण कुमार
18. श्रीमती प्रमिला धीरज टोकस
19. श्री राजेश गुप्ता
20. श्री राजेंद्र पाल गौतम

21. श्रीमती राजकुमारी ढिल्लों
22. श्री रोहित कुमार
23. श्री सोमदत्त
24. श्री शिवचरण गोयल
25. श्री सोमनाथ भारती
26. श्री सही राम
27. श्री एस. के. बग्गा
28. श्री सुरेंद्र कुमार
29. श्री विनय मिश्रा
30. श्री महेन्द्र यादव
31. श्री पवन शर्मा
32. श्री प्रलाद सिंह साहनी
33. श्री राजेश ऋषि
34. श्री संजीव झा
35. श्री विशेष रवि

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-5 शुक्रवार, 23 फरवरी, 2024/04 फाल्गुन, 1945 (शक) अंक-57

दिल्ली विधान सभा

सदन 11.24 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री रामनिवास गोयल) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः सभी माननीय सदस्यों का आज के सत्र में हार्दिक स्वागत है। 280,

श्री सही रामः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक धन्यवाद प्रस्ताव है अगर आप 2 मिनट का समय दें तो बहुत मेहरबानी होगी।

माननीय अध्यक्षः बोलिये-बोलिये-बोलिये।

धन्यवाद प्रस्ताव

श्री सही रामः अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री-श्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में जो स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान देने का कार्य शुरू किया वह बेहद अद्भुत और प्रशंसनीय है, इसके लिए मैं सरकार को और आपको साधुवाद देता हूं। अध्यक्ष जी, पिछले दिनों गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी, 2024 के अवसर पर आपके द्वारा दो महान स्वतंत्रता सेनानी, वीर विजय सिंह पथिक जी और

धनसिंह कोतवाल जी को सम्मान देते हुए उनका चित्र दिल्ली विधान सभा की आर्ट गैलरी में लगाया गया, उसके लिए समस्त गुर्जर समाज की तरफ से आपका और माननीय मुख्यमंत्री– श्री अरविंद केजरीवाल जी का हार्दिक धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष जी, हर स्वतंत्रता सेनानी का देश की आजादी में अतुलनीय योगदान है और उनका सम्मान करके हमें बहुत ही गर्व का अनुभव होता है।

अध्यक्ष जी, धनसिंह कोतवाल जी ने 1857 की क्रांति में बहुत ही अग्रणी भूमिका निभाई और मेरठ से शुरू हुई क्रांति देशभर में फैल गई। उनका जन्म मेरठ के घाटपांचली गांव में 1820 में हुआ। कोतवाल साहब के जज्बे ने लोगों को जुनून दिया और हिम्मत दी और उन्हीं के द्वारा जलाई हुई चिंगारी देश में इस प्रकार फैल गई कि देश का बच्चा–बच्चा स्वतंत्रता आंदोलन में कूद गया, ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी को हम हृदय से प्रणाम करते हैं।

अध्यक्ष जी, वीर विजय सिंह पथिक उर्फ भूप सिंह गुर्जर एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। उनको राजस्थान केसरी और बिजोलिया किसान आंदोलन के जनक के रूप में जाना जाता है। उनका जन्म 27 फरवरी, 1882 को बुलंद शहर के जिले के गुठावली गांव में सामान्य किसान परिवार में हुआ। उनके पिताजी का नाम अमीर सिंह था। स्वतंत्रता आंदोलन में उन्होंने बहुत ही साहसी कार्य किया और कई बार नजरबंद हुए, जेल गये। लेकिन आजादी के इस दीवाने ने कभी हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने राजस्थान के अंदर वीर भारत सभा और अभिनव भारत सभा नामक दो क्रांतिकारी संगठनों का निर्माण किया। अध्यक्ष जी, आज

भी दिल्ली विधान सभा की गैलरी में जब, जो भी लोग गुजरते हैं, वो जब अपने वीर क्रांतिकारी शहीदों के चित्र देखते हैं और उनकी जीवनी को पढ़ते हैं तो उन्हें एक अलग से, अलग से एक अहसास होता है, गर्व होता है अपने उन वीर क्रांतिकारी सेनानियों पर कि जिन्होंने देश की आजादी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने प्राणों को न्योछावर किया। अध्यक्ष जी, इन दिनों स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र दिल्ली विधान सभा के अंदर लगने के लिए समाज के लोगों ने दिल्ली के अलग-अलग गांव में जाकर समर्थन पत्र लिया और एक प्रस्ताव आपको दिया, इस प्रस्ताव में मैंने अपना समर्थन पत्र भी दिया था और मेरे कई साथी, मदन लाल जी हुएं, अखिलेश त्रिपाठी जी यहां नहीं हैं उन्होंने भी दिया, राजेंद्रपाल गौतम जी, इन्होंने भी उसमें अपना पत्र दिया, संजीव झा जी ने भी दिया, मैं उनका भी आज गुर्जर समाज की तरफ से, चंदेला जी बैठी हुई हैं, हमारी विधायिका, इनका भी उसमें समर्थन हुआ। मैं आज इस विधान सभा में इन सभी माननीय साथियों का धन्यवाद करता हूं जिसमें इन्होंने ये दिया। प्रस्ताव में मैंने अपना समर्थन भी दिया। मेरे साथी विधायकों ने भी इसमें सहयोग किया। इन महान स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान देने के लिए एक बार पुनः पूरे समाज की तरफ से, मेरी तरफ से आपका और मुख्यमंत्री जी का हार्दिक धन्यवाद।

अध्यक्ष महोदय, एक बात और कहना चाहूंगा। 26 जनवरी को जिस तरह से आपने इस आर्ट गैलरी में वो दो चित्र लगाये स्वतंत्रता सेनानियों के और उस प्रोग्राम में आपने इन दोनों स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को भी बुलाकर जो सम्मान दिया, उनकी तरफ से भी संदेश आया है

कि उनकी तरफ से भी मैं आपका, माननीय मुख्यमंत्री जी का और दिल्ली सरकार का धन्यवाद करता हूं। तो आपने इस मौके पर मुझे बोलने का मौका दिया, तहे दिल से पूरे समाज की तरफ से बहुत–बहुत धन्यवाद। जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः 280,

श्री मदन लालः अध्यक्ष महोदय,..

माननीय अध्यक्षः मदन जी, हो गया।

श्री मदन लालः मैं इनके प्रस्ताव का धन्यवाद कर रहा हूं आपकी अनुमति से और उसके साथ आपको धन्यवाद करता हूं कि आपने ये पहली बार, इस हिस्ट्री में आपने जो शुरूआत की माननीय केजरीवाल जी के नेतृत्व में और खासकर विधान सभा का अध्यक्ष होते हुएं कि हमारे वीर शहीदों की, चाहे वो किसी समाज के हों, शहीद किसी समाज का नहीं है, वो पूरे देश के हैं, उन्होंने देश के लिए कार्य किया और हम सबको फक्र है उन पर और आपने जो उनको मरणोपरांत, जो वीर गति को प्राप्त हुए, ऐसे लोगों को, शहीदों को आपने जो विधान सभा में जगह दी है उसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। यहां सौ से ज्यादा वीर सपूतों के चित्र यहां लगाये गये हैं। और हम सब लोग अपने आपको धन्य मानते हैं कि हमें उन्हें जानने का, पहचानने का मौका आपने दिया है। मैं माननीय केजरीवाल जी का और उनकी पूरी सरकार के मंत्रीमंडल का धन्यवाद करता हूं कि वो ऐसे वीर सपूतों को लोगों को बताने के लिए, उनकी शिक्षा देने के लिए हमेशा ही तत्पर

हैं और उनके लिए, उनके सम्मान के लिए सब लोगों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मैं आपका एक बार फिर से बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं, माननीय केजरीवाल जी और उनके मंत्रीमंडल का धन्यवाद करता हूं कि वो लोग देश के उन वीर सपूतों को जानने और जनवाने के लिए प्रयत्नशील हैं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः 280, श्री सोमदत्त जी।

विशेष उल्लेख (नियम-280)

श्री सोमदत्तः धन्यवाद अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी, मेरी विधान सभा में लगभग ढाई लाख लोग, रेंजिडेंट वोटर्स हैं और तमाम वार्डों से, तमाम कॉलोनियों से, गलियों से, मोहल्लों से, उन लोगों का अपने काम, अपनी समस्याएं लेकर आते रहते हैं। अक्सर लोगों का ये कहना होता है कि उनका तीन, चार या पांच लोगों का फैमिली है और उनके पानी के बिल 80 हजार, 90 हजार, 70 हजार, इतनी बड़ी तादाद में, इतनी बड़ी संख्या में आ रहे हैं और पिछले बहुत महीनों से उनको ये बात कही जा रही थी, मैं बता रहा था कि सरकार, माननीय मुख्यमंत्री- अरविंद केजरीवाल जी पानी की 'वन टाइम सेटलमेंट स्कीम' लेकर आयेंगे, स्कीम आने वाली है, स्कीम आने वाली है। अरविंद केजरीवाल जी का, माननीय मुख्यमंत्री जी का भी धन्यवाद करूंगा, वो चाहते हैं ये स्कीम लेकर आयें लेकिन भाजपा द्वारा नियुक्त लेफ्टिनेंट गर्वनर साहब और लेफ्टिनेंट गर्वनर साहब द्वारा नियुक्त अफसरशाही इस 'वन टाइम सेटलमेंट स्कीम' को नहीं लेकर आना चाहती, वो नहीं चाहते कि दिल्ली के नागरिकों को किसी प्रकार की राहत मिले। लेकिन आज ये कड़वी

सच्चाई है कि कोई ऐसा मोहल्ला, कोई ऐसी गली नहीं होगी जहां लोगों के ये पानी के बढ़े हुए बिल नहीं आ रहे। लाखों की तादाद में हरेक व्यक्ति, हरेक परिवार में से इस तरह की समस्याए हैं, उनके बिल आ रहे हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है और ये समस्या केवल मेरी गली, मोहल्ले, विधान सभा तक सीमित नहीं है, ये सबकी है समस्या। मेरी आपसे प्रार्थना है इस मुद्दे का कोई भी उचित समाधान निकाला जाए। इसमें माननीय सभी सदस्यगण साथ में हैं, सब चाहते हैं समाधान निकले, हम आपके साथ हैं, जल्द से जल्द इसका कोई सॉल्यूशन लेकर आयें। धन्यवाद, जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री प्रवीण जी।

श्री प्रवीण कुमारः माननीय अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष जी, जो मैं आज मुद्दा उठाने जा रहा हूं ये पूरे दिल्ली से रिलेटेड है और दिल्ली के सारे बुजुर्ग जो हैं वो इससे प्रभावित हैं। अध्यक्ष जी, जितने भी हमारे दिल्ली के बुजुर्ग हैं कहीं न कहीं जो है वो Recreation Centre या ओल्डएज होम्स से कनेक्टेड होते हैं और उन ओल्ड एज होम के लिए दिल्ली सरकार 20 हजार रुपये का financial assistance जो है वो उस ओल्ड एज होम को या उस एसोसिएशन को, जो सीनियर सिटीजन की एसोसएिशन होती है उन्हें देती है। लेकिन पिछले कुछ महीनों से उन बुजुर्गों को, उन एसोसिएशंस को वो पैसा नहीं मिल पा रहा है और जब हम डिपार्टमेंट में पता करते हैं तो पिलर टू पोस्टकी कहानी होती है, एक कहता है डायरेक्टर ने साइन नहीं किया, कभी कहता है सेक्रेटरी ने साइन नहीं किया, कभी कहते हैं

फाइनेंस सेक्रेटरी ने साइन नहीं किया। इस कारण से दिल्ली के सारे बुजुर्ग जो हैं और सारे ओल्ड एज एसोसिएशन जो है, सीनियर सिटीजन एसोसिएशन जो है वो प्रभावित हो रही है और जब भी हम, मैं कहीं-कहीं मीटिंग में जाता हूं, कभी लाजपत नगर जाता हूं, कभी जीवन नगर जाता हूं, सभी सन-लाईट कॉलोनी जाता हूं मेरे क्षेत्र में और इधर उधर जहां पर भी कहीं बुजुर्ग मिलते हैं तो वो इस बात को जरूरत रखते हैं कि 20 हजार जो हमारे हर महीने आते थे वो अब नहीं आ रहे, आप इस मुद्दे को उठाइये। और ये अफसरशाही द्वारा, क्योंकि दिल्ली को पूरी तरीके से, एक तरीके से एल.जी. के द्वारा जकड़ लिया गया है, भारतीय जनता पार्टी के द्वारा जकड़ लिया गया, सारी अफसरशाही उनके कहने पर काम कर रही है। इतने सालों से जो स्कीम चल रही थी उसको एकाएक जो है वो बंद कर दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो अरविंद केजरीवाल जी बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा पर भेजते हैं और दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी पहले ओल्ड एज पेंशन स्कीम रोकने का काम करती है। आपको याद होगा एमसीडी इलेक्शन के दौरान किस तरह से भारतीय जनता पार्टी ने अपनी अफसरशाही को दबाव में लाते हुए किस तरीके से बुजुर्गों की पेंशन रोक दी थी, आखिर इन्हें मजा क्या आता है, बुजुर्गों को परेशान करने में आखिरी इनको क्या मजा आता है? ये भारतीय जनता पार्टी जो है वो कभी पेंशन रोकेगी, कभी इनकी financial assistance scheme रोकेगी इस कारण से पूरी दिल्ली के बुजुर्ग जो हैं वो पूरी तरह से दुखित हैं और प्रभावित हैं। अध्यक्ष महोदय आपके द्वारा जो है मैं इस इश्यू को जो है पूरे सदन के

सामने रखना चाहता हूं और मैं चाहता हूं कि इस इश्यू को जो है वो पिटिशन कमेटी को भी रेफर किया जाए ताकि इसमें दूध का दूध और पानी का पानी हो सके और जो बुजुर्ग जो हैं इतने साल से प्रभावित हैं और परेशान हैं उनको न्याय मिल सके क्योंकि रिक्रिएशन सेंटर के लिए जो थोड़ी फाइनेंशियल असिस्टेंस होता है उसमें वो कुछ इक्युपमेंट खरीद लेते हैं, वो जो कुछ जो हैं दिल्ली में लोकली घूम आते हैं, छोटे-मोटे उनके काम हो जाते हैं। अखबार के बिल होते हैं, बिजली के बिल होते हैं, जो वो सेंटर चलाते हैं, तो बहुत इम्पोर्टेंट चीज है अध्यक्ष महोदय इन सारे लोगों के लिए, तो आप इन्हें संज्ञान में लीजिए और इसको पिटिशन कमेटी में भेजिये, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री नरेश बाल्यान जी, नरेश बाल्यान जी नहीं, श्री रोहित कुमार जी।

श्री रोहित कुमारः धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी, जो आपने मुझे नियम-280 के तहत अपने क्षेत्र की समस्याओं को उठाने का यहां मौका दिया है। माननीय अध्यक्ष जी, लगातार दिल्ली के अंदर हम देख रहे हैं कि किस प्रकार से दिल्ली वासी भारतीय जनता पार्टी की गंदी राजनीति की शिकार हो रहे हैं। मैंने अभी कुछ दिन पहले अपने इलाके की सीवर की और पानी की समस्याओं को सदन के पटल पर भी रखा था। माननीय अध्यक्ष जी इसी से जुड़ा हुआ एक और मुद्दा है ये त्रिलोकपुरी 1976 में ये कालोनी बसी थी और 1980 के दशक में त्रिलोकपुरी में पानी की पाइप लाइन डाली गई थी। त्रिलोकपुरी ब्लॉक नंबर-23 के अंदर एक यूजीआर है जिसकी क्षमता लगभग 5 एमजीडी

है और ये जिस समय बनाया गया था उस समय कम आबादी थी। एक मंजिल दो मंजिल मकान होते थे, चार-पांच लोगों का परिवार हुआ करता था। आज वो जनसंख्या चार गुना पांच गुना बढ़ गई है लेकिन उस यूजीआर की क्षमता नहीं बढ़ी है। इसके चलते गर्मियों के दिनों के अंदर खासतौर से जो दूर के इलाके हैं जो टेलएंड के इलाके हैं वहां पर अक्सर पानी की कमी रहती है। इसी समस्या से जूझते हुए बड़ी मुश्किल से मैंन कैसे कर कर अधिकारियों से कह सुनकर एक अपने यूजीआर के अंदर एक्स्ट्रा पानी के लिए इंतजाम के लिए अतिरिक्त पानी की व्यवस्था के लिए इस त्रिलोकपुरी ब्लॉक नंबर-23 के यूजीआर से लगभग दो किलोमीटर दूर मयूर विहार फेज-1 मेट्रो स्टेशन के सामने यमुना खादर के अंदर 8 ट्यूबवैल लगवाये। उन 8 ट्यूबवैल का पानी एक एमजीडी पानी पाइप लाइन के जरिये 23 ब्लॉक में आना था माननीय अध्यक्ष जी और उस परियोजना को पिछले साल मई में पूरा कर लिया गया और वो पाइप लाइन के जरिये सारा एक एमजीडी पानी त्रिलोकपुरी वासियों को मिलना था लेकिन बड़ा ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि पिछले अब मई आने वाली है, गर्मियों का सीजन शुरु होने वाला है पिछले साल ही त्रिलोकपुरी की जो जनता है वो एक-एक बूंद के लिए तरस रही है उनको एक एमजीडी पानी मिल जाता तो कोने-कोने तक पानी वहां पहुंच जाता। बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि डीडीए ने इस काम के ऊपर रोक लगा दी। माननीय अध्यक्ष जी पूरा काम हो गया है, ट्यूबवैल भी लग गए हैं, पाइप लाइन भी डल गई है, एक बिजली का कनेक्शन होना है, एक बटन ऑन होना है बिजली का और बटन ऑन होते ही

पानी वहां पहुंच जाएगा लेकिन डीडीए ने एनओसी का बहाना बनाकर लिखित के अंदर जलबोर्ड को नोटिस दिया है कि आपके ऊपर भारी हर्जाना लगाया जाएगा क्योंकि बगैर एनओसी के आपने यहां पर ट्यूबवैल लगा दिये। तो माननीय अध्यक्ष जी ये बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं माननीय जलमंत्री जी से भी आग्रह करूंगा कि इस मामले के अंदर हस्तक्षेप करें और त्रिलोकपुरी की जनता को पानी दिलवाने का कष्ट करें वर्ना इस साल भी त्रिलोकपुरी के जो दूर के इलाके हैं, आखिरी छोर के इलाके हैं, टेल एंड के इलाके हैं वहां तक पानी की समस्या फिर से होगी और मैं आपको एक बात और यहां पर स्पष्ट करना चाहता हूं सदन के सामने की बड़ी गंदी राजनीति दिल्ली वासियों के लिए चल रही है जो कुछ इलाकों के अंदर जहां त्रिलोकपुरी में पानी नहीं पहुंचता त्रिलोकपुरी ब्लॉक नंबर-2 के अंदर या चिल्ला गांव में या न्यू अशोक नगर में टैंकर के जरिये वहां पर पानी पहुंचाया जाता था। मुझे विश्वसनीय सूत्रों से पता लगा और जो जलबोर्ड के अधिकारी हैं उन्होंने खुद मुझे आकर बताया है कि सर जो लगभग 1300 वाटर टैंकर जो पूरी दिल्ली में चलते हैं उनकी संख्या घटाकर 300 करने जा रहा है जलबोर्ड। जो सीईओ सर हैं उन्होंने एक फरमान जारी कर दिया है कि इनकी संख्या घटाकर 300 की जाए। तो आने वाले टाइम के अंदर त्रिलोकपुरी में और भी दिक्कत होने वाली है। तो मेरा पुनः सदन से आग्रह है और हाथ जोड़कर मैं विनती करना चाहता हूं आपसे भी, सदन से भी और माननीय मंत्री जी से भी कि यहां पर त्रिलोकपुरी वासियों को पानी देने के लिए इंतजाम किया जाए। ये बिजली का कनेक्शन जल्द से जल्द

लगवाया जाए और जो भी मामला है इसका निपटारा किया जाए और मैं पुनः एलजी साहब से भी हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि लोगों को पानी देने में आप ये गंदी राजनीति बंद कीजिए। लोग प्याउ लगवाते हैं, हमारे बुजुर्ग प्याउ लगवाते थे कि लोगों को पानी देने के लिए लेकिन एक साल के बाद भी आज ये काम अटका पड़ा है। दस करोड़ रुपये की लागत से ये काम कंप्लीट हो चुका है लेकिन बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि दस करोड़ रुपये सरकार के खर्च होने के बाद भी लोग एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी, मैं अपनी जनता की ओर से आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे इतने महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया और साथ ही साथ मैं ये बिल भी लेकर आया हूं बहुत सारे, देखिये माननीय अध्यक्ष जी ये इतने भारी-भारी बिल लोगों के आ रहे हैं पानी नहीं पहुंच रहा है, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः भई हो गई है बात हो गई प्लीज। भावना जी।

सुश्री भावना गौडः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय मैं आपका ध्यान दिल्ली जलबोर्ड की एक ऐसी समस्या की ओर दिलाना चाहती हूं जिसकी वजह से मेरी पालम विधानसभा ही नहीं अपितु पूरी दिल्ली इस समस्या से जूझ रही है और इस समस्या की वजह से सारा काम भी ठप्प पड़ा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली जलबोर्ड में सारा काम टैंडर प्रक्रिया के अंतर्गत होता है, विभाग टैंडर लगाता है, ठेकेदार टैंडर उठाते हैं, और सारी दिल्ली में इसी प्रक्रिया के अंतर्गत पानी की लाइन को डालने का काम और सीवर की लाइन को बिछाने का काम

किया जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैंने भी अपनी विधानसभा पालम में बहुत सारे काम पानी की लाइन को बदलने का, सीवर की लाइन को बदलने का और नई लाइनें बिछाने के काम तैयार करवाये थे। अधिकारियों ने टैंडर भी लगाए और अध्यक्ष महोदय एक बार नहीं पांच-पांच बार टैंडर लगाये पर किसी भी ठेकेदार ने काम नहीं उठाया। मुझे लगता है अध्यक्ष महोदय यह दिक्कत मेरी विधानसभा में नहीं अपितु पूरी दिल्ली में ये प्राब्लम है और मुझे लगता है कि सारे विधायक इस समस्या से जूझ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे यहां बहुत सारी अनॉथराइज कालोनियां हैं। जैसा कि आप जानते हैं दिल्ली सरकार अनॉथराइज कालोनियों के अंदर पानी की लाइन बिछाने का काम कर रही है, पानी की लाइनों को बदलने का काम कर रही है, सीवर लाइनों को बदलने का काम कर रही है। बहुत सारी जगह जहां पर सीवर अनॉथराइज कालोनियों में नहीं होता था वहां पर सीवर की नई लाइन को बिछाने का काम किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैंने भी ये तमाम काम अपनी विधानसभा में तैयार करवाये। पानी की लाइनों को बिछाने का, सीवर का, मेन्टेनेंस के काम और अध्यक्ष महोदय मैं इस सदन को बताना चाहूंगी कि दिल्ली सरकार पानी की लाइन और सीवर की लाइन को बिछाने के बाद आरसीसी के सुन्दर-सुन्दर रोड बनाने का भी काम कर रही है। इसी प्रक्रिया के अंतर्गत मैंने भी अपनी विधानसभा डीएसआईडीसी विभाग के द्वारा बहुत सारे रोड के काम तैयार करवाये हैं। आप अध्यक्ष महोदय जानते हैं नियम के अनुसार सीवर की लाइन और पानी की लाइन जमीन के नीचे पड़ती है और उसके बाद में रोड बिछाने का काम होता

है लेकिन अध्यक्ष महोदय मैं आपको बताना चाहूंगी कि मेरी विधानसभा में डीएसआईडीसी विभाग के द्वारा रोड के काम तैयार होकर के आ गये हैं, अधिकारी बार-बार संपर्क कर रहे हैं, हमारे यहां ठेकेदार भी बार-बार आकर के साइट को देख रहे हैं और हमसे संपर्क बनाए हुए हैं की हम काम शुरु करवाएं लेकिन जनता इस चीज के लिए तैयार नहीं है। जनता कहती है कि पहले सीवर की लाइन को बदलो, पहले पीने के पानी की लाइन को बदलने का काम करो उसके बाद में हम रोड के काम लेंगे। इस वजह से डीएसआईडीसी को जो दिल्ली सरकार ने फंड दिया है वो भी खराब होता हुआ नजर आ रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताउंगी कि

माननीय अध्यक्षः भावना जी हो गया अब हो गया कंप्लीट।

सुश्री भावना गौडः पांच-पांच बार अध्यक्ष महोदय टैंडर लगाये हैं लेकिन नहीं उठाए। मैं अपनी तरफ से और पूरे सदन की तरफ से मंत्री महोदय को बताना चाहूंगी की वो जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान निकालें ताकि जो रोड के काम हमारे तैयार होकर के आ गये हैं उससे पहले सीवर की लाइन और पानी की लाइन को बदलने का कार्य किया जाए, धन्यवाद जय भारत।

माननीय अध्यक्षः श्री जरनैल सिंह जी।

श्री राजेश ऋषिः अध्यक्ष जी, जो भावना जी ने रखा इसका मेन कारण है कि जलबोर्ड से पैसा नहीं मिल रहा ठेकेदारों को। ठेकेदारों की करोड़ों रुपये की पेमेंटें बाकी हैं इसलिए ठेकेदारों ने अपनी एसोसिएशन

बना ली है। वो एसोसिएशन अब किसी भी आदमी को टैंडर नहीं डालने दे रही इसलिए हर जगह पर यह स्थिति है पांच-पांच बार टैंडर कोई नहीं डाल रहा ये स्थिति हो गई है। हम आपसे यही कहना चाहते है.

माननीय अध्यक्षः भई राजेश ऋषि जी इसका उत्तर माननीय मंत्री जी।

श्री राजेश ऋषिः मंत्री जी हैं ही नहीं सर।

माननीय अध्यक्षः दे चुके हैं शायद उस दिन आप नहीं होंगे। कोर्ट में गये थे कोर्ट ने 6 तारीख को डिसीजन दिया प्रिंसिपल फाईनांस सेक्रेट्री को कि जलबोर्ड की पेमेंट की जाए। 6 से अब 29 तारीख पड़ी है अभी तक पेमेंट उन्होंने नहीं की है, शायद 29 से पहले कर दें नहीं तो 29 को कोर्ट में डेट है। ये उत्तर माननीय मंत्री जी का है, मेरा नहीं। श्री जरनैल सिंह जी।

श्री जरनैल सिंहः धन्यवाद स्पीकर साहब, स्पीकर साहब मैं दिल्ली के एक सिख बहुल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं। यहां पर सभी धर्मों के लोग चाहे कोई सिख है, कोई हिन्दू है सभी धर्मों के लोग बहुत प्यार से आपसी सदभाव से रहते हैं। दो दिन पहले पश्चिम बंगाल के अंदर जो हुआ उसको लेकर मेरे क्षेत्र के लोगों के अंदर बहुत रोष है। सभी लोग मेरे फोन कर करके पूछ रहे हैं कि ये किस तरीके का भारत भाजपा बनाना चाहती है। दो दिन पहले पश्चिम बंगाल के अंदर भाजपा के एक बड़े नेता शुभेन्दु अधिकारी ने एक ईमानदारी से ड्यूटी

कर रहे सिख अधिकारी को खालिस्तानी बोल के रोकना चाहा। अध्यक्ष जी, ये किस तरीके का भारत भाजपा बना चुकी है जो पूरी तरह से अलोकतांत्रिक है और इन भाजपाईयों को मैं बताना चाहता हूं कि जिस पगड़ी पर आप देखकर खालिस्तानी का कमेंट कर रहे थे इस पगड़ी का इतिहास पहले जान लो। हमारे डीएनए में है कि हम तानाशाही के आगे नहीं झुकेंगे, इसकी शुरूआत आज से 500 से ज्यादा साल पहले श्री गुरू नानक देव जी जो हमारे पहले रहबर थे उन्होंने बाबर के दरबार में अध्यक्ष जी तब जमाना ये होता था कि जो बादशाह ने कह दिया तब तो पूरी तानाशाही थी कि इसका सिर कलम कर दो तो कर दिया जायेगा फिर कोई वकील दलील नहीं चलेगा। उस माहौल के अंदर भी गुरू नानक देव जी ने बाबर को जाकर बोला था और उनकी तानाशाही के आगे नहीं झुके थे। ये सिलसिला उसके बाद शुरू हुआ और चलता रहा। चलते चलते मैं फिर एक आगे का इतिहास दोहराता हूं कि सात साल उम्र थी बाबा फतेह सिंह जी जो गुरू गोबिन्द सिंह जी के सबसे छोटे साहबजादे थे उनको वजीर खान ने कहा कि हमारा दीन कबूल लो तो सात साल के साहबजादा बाबा फतेह सिंह जी ने कहा कि हमें मरना कबूल है हम तुम्हारे आगे झुकेंगे नहीं, इतिहास गवाह है बाबा फतेह सिंह जी को और बाबा जोरावर सिंह जी को दीवारों में चिनवा दिया गया था पर इनके आगे झुके नहीं थे। तो ये हमारे डीएनए में है। स्पीकर साहब बात करें उसके बाद आजादी की लड़ाई की तो करतार सिंह सराबा उस समय विदेश में थे। 15 साल की उम्र में उन्होंने गदर लहर में शामिल हुए सक्रिय सदस्य बनें और 19 साल की उम्र में

फांसी का फंदा चूम गये थे पर तानाशाही के आगे झुके नहीं थे। ये किस पगड़ी के उपर बार बार इल्जाम लगा रहे हैं। स्पीकर साहब, शहीद ए आजम भगत सिंह जी का बताया कि पूरे आजादी के इतिहास में एक ही बार किसी को शहीद ए आजम कहा गया है और वो भी पगड़ी वाले शहीद ए आजम भगत सिंह थे। स्पीकर साहब, बात करेंगे उधम सिंह जी की, 1919 में जलियां वाला बाग हत्याकांड हुआ, वहां हर धर्म के लोगों को मारा गया था पर सिर्फ एक पगड़ी वाले के दिल में रोष पैदा हुआ और 1940 के अंदर जाके लंदन के अंदर जाके उस माइकल एडवायर का कत्ल करके उसको उसके पापों की सजा देके उसका बदला लिया था। स्पीकर साहब, उसके बाद बात करूं 1962 के अंदर जब भाजपा इल्जाम तो लगा रही है 1962 के अंदर जब भारत चीन का युद्ध हुआ भारत वो युद्ध हारा तब नेहरू जी ने नेशनल डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने की बात की थी तो पंजाब के तब के मुख्यमंत्री ने कहा था कि पंजाब खून भी देगा और पंजाब सोना भी देगा। ये बात ऑन रिकार्ड बता रहा हूं जहां मर्जी गूगल में चेक करना। सदन के माध्यम से बताना चाहता हूं कि पूरे देश से 5 किलो और 327 ग्राम सोना इकट्ठा हुआ पर इन पंजाब ने इन पगड़ी वालों ने 252 किलो सोना दो क्विंटल और 52 किलो सोना सिर्फ पंजाब वालों ने दिया। इस देश की आजादी के इतिहास की बात करें तो 121 लोगों को फांसी हुई थी जिसमें से 93 ये पगड़ी वाले ही थे स्पीकर साहब। 2626 लोग उम्रकैद की सजा में गये थे काला पानी गये थे उसमें से 2147लोग ये पगड़ी वाले ही थे। इनको शर्म आनी चाहिये पगड़ी वालों

के उपर देशभक्ति का विरोध का इल्जाम लगाते हुए। स्पीकर साहब, उसके आगे बढ़ूं तो ये नागपुर से ट्रेनिंग लेकर आये हमे देशभक्ति सिखायेंगे जो अपने वहां पर तिरंगा तक नहीं लगाते। आज तिरंगे में सबसे ज्यादा लिपट के लाशें कहीं आती हैं तो पंजाब के अंदर आती हैं हमें इनसे देशभक्ति सीखने की जरूरत नहीं है। स्पीकर साहब, किसान आंदोलन हुआ, अब ऐसे तो अंग्रेज भी कह देते हैं आज ही कहते हैं जी पंजाब के किसानों को ही ज्यादा परेशानी हो रही है। ऐसे तो अंग्रेज कहते थे कि पूरा देश गुलाम है ये पंजाब वालों को क्यों दिक्कत हो रही है। 121 में से 93 सिखों को ही क्यों फांसी हो रही है पंजाब वालों को क्यों परेशानी हो रही है। हमारे डीएनए में है हम तानाशाही के आगे झुकेंगे नहीं। स्पीकर साहब, 2 साल पहले 19 नवम्बर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पूरे देश के आगे माफी मांगी और कहाजी मैं तीनों कानून वापिस लेता हूं और वादा किया जी किसानों की जो भी मांगें हैं वो पूरी करूंगा। आज क्या गलत हो रहा है प्रधान मंत्री जी अगर अपनी बात से मुकर गये और किसान फिर सड़कों पर आकर आंदोलन कर रहे हैं। तो गलती तो प्रधान मंत्री जी की है जो कमिटमेंट किया था जो वादा किया था उसको पूरा करें, किसान खुशी खुशी अपने खेतों में जायें। देश की बढ़ोतरी के लिये, देश की उन्नति के लिये अपने कामों में लगेंगे पर हर दिन, हर दिन तानाशाही के नये रिकार्ड कायम करने का जो

माननीय अध्यक्षः कंक्ल्यूड करिये, प्लीज।

श्री जरनैल सिंहः भाजपा काम कर रही है वो बहुत शर्मनाक है। स्पीकर साहब इस देश की जल सेना, इस देश की थल सेना, इस देश की वायु सेना हर सेना के सर्वोच्च पदों पर ये पगड़ी वाले बैठे हैं। अगर इस देश के सबसे बड़े, इस दुनिया के आत्मसमर्पण की बात करें तो बंगलादेश का जब हिंदुस्तान पाकिस्तान का युद्ध हुआ था तो वो भी पगड़ी वाले जनरल जे.एस. अरोड़ा थे जिन्होंने एक साथ एक साथ 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों का जनरल ए.ए. खान नियाजी के साथ आत्मसमर्पण कराया था वो भी पगड़ी वाले ही थे। स्पीकर साहब, ये बार बार इस देश के अंदर धर्म के नाम पर लड़ाई करवाने की, बांटने की साजिशें करते हैं, दरअसल धर्म के नाम पर इस देश को कोई बांटना चाहता है तो ये भाजपाई हैं इनके अलावा और कोई नहीं हैं। बाकी सारे देशवासी बहुत प्यार से, बहुत सुकून से रहना चाहते हैं। स्पीकर साहब, मैं अपनी बात को कंक्ल्यूड करूंगा दो लाईनें बोल के

''कि अंधे निकालते हैं नुक्स मेरे किरदार में
कि अंधे निकालते हैं नुक्स मेरे किरदार में
बहरों की शिकायत है कि मैं गलत बोलता हूं।''

धन्यवाद स्पीकर साहब।

माननीय अध्यक्षः श्री जय भगवान जी।

श्री जय भगवानः माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे 280 के तहत अति महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का अवसर प्रदान किया उसके

लिये मैं धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, जब से दिल्ली विधान सभा के अंदर पानी के बिलों को लेकर के लगातार हंगामा हो रहा है इस चीज को लेकर लोगों में बातें होना शुरू हो गयी हैं और मेरे आफिस पर अध्यक्ष महोदय कई आरडब्ल्यूए, कई बुजुर्ग, कई विधवा महिलायें मेरे आफिस पर आईं कि ये जो हमारे जो बिल माफ होने थे उसको लेकर के क्या चल रहा है। तो अध्यक्ष महोदय, क्यूंकि बार बार आरडब्ल्यूए के लोग आकर के मुझसे मिल रहे हैं और आके मुझे बोल रहे हैं कि जय भगवान जी आप भी अपनी बात को रखो और हमारे जो बिल हैं वो माफ होने चाहियें। अध्यक्ष महोदय, क्योंकि कोरोना के दौरान अनापशनाप बिल क्यूंकि दो साल न ही तो कोई नौकरी कर पा रहा था लोग परेशान थे और अनापशनाप बिल बनाकर के और लोगों के पास भेज दिये गये। और जिसे लोग नहीं भर पाये। अध्यक्ष महोदय, लोग चाहते हैं कि ये जो बिल हैं माफ होने चाहियें और जब उन्हें पता लगा कि दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी लोगों के बिलों को माफ करना चाहते हैं और उसके लिये एक स्कीम लेकर आये हैं वन टाईम सेटलमेंट स्कीम और उस स्कीम को दिल्ली के एलजी ने बीजेपी के कहने पर रोक दिया है तबसे लोग बहुत ज्यादा परेशान हैं और लगातार आरडब्ल्यूए और लोग मेरे पास आ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, अभी एक विधवा महिला मेरे पास आई परसों की बात है अध्यक्ष महोदय वो कहने लगी कि बेटा मेरे घर में तो कोई कमाने वाला है नहीं और हम तो पेंशन के पैसे से अपना घर का गुजारा करते हैं और क्योंकि दो साल आपने देखा कि बीच में उनकी पेंशनें भी रोक दी

गयी थी और दो साल क्योंकि कोरोना था कोरोना में हम लोग कैसे बिल भर पाते। तो अध्यक्ष महोदय जो ये स्कीम आ रही थी इसको लेकर के बहुत लोगों में आशायें थी कि हमारा जो बिल है वो माफ हो जायेगा कि जैसा कि दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने कहा भी है कि साढे दस हजार जो लोग हैं उनके जो बिल हैं वो करीब 90 परसेंट लोगों का सेटलमेंट इसमें हो जाता। अगर वो ये स्कीम अगर पास हो जाती। अध्यक्ष महोदय क्यूंकि बीजेपी के कहने पर एलजी साहब ने इसको रूकवा दिया। तो अध्यक्ष महोदय मैं कहना चाहता हूं कि लगातार दिल्ली के अंदर जो लोग हैं वो पानी के बिलों से बहुत ज्यादा परेशान हैं। चाहे मैं अपने सैक्टरों की मैं बात करूं, चाहे मैं कालोनियों की मैं बात करूं, चाहे मेरे गांव की मैं बात करूं हर जगह पानी के बिलों से लोग बहुत ज्यादा परेशान हैं और जब से ये लोगों को पता लगा है कि दिल्ली विधान सभा के अंदर सदन बार बार इसी चीज को लेकर लग रहा है और इस पर एक चर्चा चल रही है कि दिल्ली के एलजी साहब ने पानी के बिलों की जो फाईल है वो रूकवा दी है तब से और ज्यादा लोग परेशान हैं। तो अध्यक्ष महोदय ये जो बिल हैं, ये जो फाईल है ये पास होनी चाहिये क्यूंकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने बार बार दिल्ली के लोगों को बढ़कर के न्याय दिलवाया है। तो अध्यक्ष महोदय मैं यही चाहता हूं कि जो पानी के बिल की फाईल जो रोकी गयी है इसको भी दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री जी कुछ भी करें, कैसे भी करें, हम हर तरीके से उनके साथ हैं, दिल्ली के निवासी उनके साथ हैं और इस फाईल को

मूव कराया जाये, इस फाईल को पास कराया जाये इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं जय हिंद, जय भारत नमस्कार, वंदे मातरम।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान सोम नाथ भारती जी।

श्री सोमनाथ भारतीः अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे 280 में अपनी बात रखने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, 2014 में मालवीय नगर क्षेत्र के अंदर काफी मांग उठी कि एक पफायर स्टेशन होना चाहिये। जब हमने जांच पड़ताल की तो मालूम पड़ा कि बरसों पहले वहां एक लैंड अलोकेट किया गया था फायर स्टेशन के लिये। हैरानी हुई जब मैंने मालूम किया कि क्यों नहीं बन रहा यहां पे तो बताया गया यहां स्टे आर्डर है। बहुत मुश्किल से जो 14 साल से स्टे आर्डर था उस प्लॉट पे, स्टे आर्डर को हटवाया, वहां माननीय मंत्री से मिला, मंत्री जी ने आदेश दिया, पफायर स्टेशन वहां पे बना। लेकिन किन कारणों से वो आधा अधूरा रह गया आज मैं मंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहता हूं ये बात कि अभी भी फायर स्टेशन जो बना है वहां पे वो हॉफ हर्टिडली बना है। 2015 में उसका उदघाटन भी हुआ लेकिन वो फायर स्टेशन चूंकि ये बहुत बड़ा एरिया है मालवीय नगर के इर्द गिर्द जहां कि कोई फायर स्टेशन नहीं है। और नियरस्ट फायर स्टेशन वहां से है नेहरू प्लेस या भीकाजी कामा। तो उन दोनों लोकेशन से फायर ब्रिगेड को आने में हमारे यहां करीब आधा घंटा लग जाता है। मेरे यहां कई बार फायर की वारदात हुई। परमात्मा के आशीर्वाद से वहां कोई किसी की जान की क्षति नहीं हुई लेकिन माल

की क्षति काफी हुई। तो मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि जो गीतांजलि में फायर स्टेशन बना है, मालवीय नगर में उसको पूरा किया जाए और उसे 24 घंटे वो काम कर सके इसके लिए उसकी तैयारी की जाए। आपने व्यवस्था भी कर दी है, गाड़ियॉं भी लगती है लेकिन दिन में लगती हैं, रात को नहीं लगती है। तो वो काफी बड़ा क्षेत्र है जो कि इसपर डिपेंडेंट है। आपसे हाथ जोड़ के विनती है कि ये जो मेरी विधानसभा की और आसपास की विधानसभाओं की मांग है कि वहां एक full fledged फायर स्टेशन हो इसके लिए आपसे विनती करता हूं, माननीय स्पीकर महोदय आपके माध्यम से, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री अजय दत्त जी।

श्री अजय दत्तः माननीय अध्यक्ष जी आपने मुझे मेरे क्षेत्र के महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया, मैं आपको धन्यवाद देता हूं और अध्यक्ष जी मैं अपनी बात शुरू करने से पहले जरनैल सिंह जी का समर्थन करता हूं कि इस देश के अंदर बहुत सारी जाति-धर्म और विचारधारा के लोग हैं लेकिन सिख धर्म एक ऐसा धर्म है जो सबको समानता के साथ इज्जत-सम्मान देता है और सिख धर्म ने और सिख कम्यूनिटी ने इस देश को बहुत कुछ दिया है। तो जो भी लोग सिख कम्यूनिटी, सिख धर्म के खिलाफ कुछ भी बात कहते हैं वो खुद देशद्रोही हो सकते हैं।

माननीय अध्यक्षः अजय दत्त जी ये बात हो गई अपने विषय पर आइये प्लीज।

श्री अजय दत्तः सिख धर्म देशद्रोही नहीं हो सकता। अध्यक्ष जी मैं इसलिए इस बात को आपके सामने रख रहा हूं क्योंकि गुरूग्रंथ साहिब को देखें तो उसमें सभी गुरूओं की वाणी है।

माननीय अध्यक्षः अजय दत्त जी।

श्री अजय दत्तः एक मिनट और लूंगा अध्यक्ष जी बस।

माननीय अध्यक्षः नहीं अजय दत्त जी विषय पर आइये।

श्री अजय दत्तः मैं इसलिए इसका महत्वपूर्ण।

माननीय अध्यक्षः मुझे समय, मुझे घड़ी की सुई भी देखनी है।

श्री अजय दत्तः ठीक है, ठीक है अध्यक्ष जी। तो मैं सिर्फ ये मैसेज देना चाहता हूं कि इस देश में समानता लानी है तो हर धर्म के लोगों को आगे बढ़कर काम करना पड़ेगा, discrimination इस देश को तोड़ेगी और बीजेपी वालो ये छोड़ दो ये देश सिर्फ तुम्हारा नहीं है, हर किसी का है जो इस देश में पैदा हुआ है। अध्यक्ष जी पिछले कुछ समय से मैं पीडब्ल्यूडी और एमसीडी से कई बार बात कर चुका हूं कि मेरे यहां एक कॉलोनी है दक्षिणपुरी जी-ब्लॉक वहां एक एमसीडी का नाला है और जब भी बारिश होती है वहां पर लोगों का जीवन अस्तव्यस्त हो जाता है क्योंकि उस नाले का पानी ओवरुलो होकर लोगों के घर में घुस जाता है और जिसकी वजह से चार-चार, पांच-पांच फुट उनके घरों में पानी घुस जाता है, गाद और मल तैरने लगता है और इस विषय में वहां के लोग मुझे कई बार कह चुके हैं। मैंने एमसीडी

कमिश्नर तक को पत्र लिखा है कि इस पुलिया को तुड़वाकर, क्योंकि छोटे पाइप हैं, गाद उसमें जम जाती है, तुड़वाकर बरसात से पहले, पीडब्ल्यूडी को भी मैंने कहा है बरसात से पहले इस नाले को बनवाएं जिससे की वहां के लोगों को राहत मिल सके और मुझे एक चीज समझ नहीं आ रहा पिछले 8-10 महीनों से कोई भी सरकारी अधिकारी एमएलए के लैटर्स पर, जो जनता के काम एमएलए दे रहे हैं उनपर काम क्यों नहीं कर पा रहे हैं, ये एक बहुत गम्भीर विषय है क्योंकि इस देश के अंदर जो भी लोग वोट देते हैं और स्पेशियली दिल्ली के जो भी लोग हैं, उनके काम करने के लिए हम चुने गए हैं अगर हम कोई भी काम जनता के लिए कह रहे हैं तो वो करने चाहिए। मैं आपके माध्यम से इतना ही कहना चाहता हूं कि पीडब्ल्यूडी और एमसीडी के अधिकारी जी-ब्लॉक, ए-ब्लॉक के जो नाला है उसकी पुलिया है उसका संज्ञान ले और जल्द से जल्द बारिश आने से पहले उसको बनवाए जिससे की लोगों को दुबारा ये जो परेशानी उनके घर में पानी घुस रहा है, पानी आ रहा है वो ना हो और उससे राहत मिल सके। अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आप काफी इस बार के सेशन में मेरे को देखने में आया मुझे काफी समय दे रहे हैं, मैं आपका पुनः दिल से धन्यवाद करता हूं और आपकी अध्यक्षता में सदन बहुत अच्छा चल रहा है, थैंक्यू वैरी मच जय हिंद, जय भारत, जय भीम।

माननीय अध्यक्षः श्रीमान शिवचरण गोयल जी। शिवचरण जी सीट कैसे बदले, अपनी सीट से बोलें, हॉं अपनी सीट पर आकर बोलें, बैठ गए हैं वो बात अलग है, लेकिन कृपया बोलिए अपनी सीट से।

श्री शिवचरण गोयलः धन्यवाद अध्यक्ष जी, सबसे पहले तो मैं धन्यवाद करना चाहूंगा अपने माननीय मुख्यमंत्री का। हमारी एक सड़क है जो पटेल नगर से होते हुए पंजाबी बाग की तरफ जाती है और यहां पर 3 साल पहले बहुत ही बुरा हाल था, अब वहां पर यूरोपियन तर्ज पर सड़क और फुटपाथ का निर्माण हुआ है। इतना बेहतर फुटपाथ हमें तो आज तक देखने को नहीं मिला कि दिल्ली में भी होता है। वहां पर लाइटें लगाई गई, वहां पर सीटिंग के अरेंजमेंट किए गए। लाखों वहां पेड़-पौधे लगा दिए गए। ऐसा लगता है जैसे लोग इंडिया गेट घुमने जाते हैं, कनॉट पैलेस, उसी पैटर्न पर उस सड़क का निर्माण किया गया है। तो हमारी मोती नगर की विधान सभा और आसपास की विधान सभा इसको देखकर बड़ी प्रसन्न है और सभी माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद कर रहे हैं । ये रोड बहुत congested है पटेल नगर से आती है। तो वहां पर एक कीर्ति नगर मैट्रो स्टेशन है और उसके साथ ही वहां पर कम से कम भी 10 से बीस हजार उद्योग लगे हुए है। कई बारी हमने कहा कि इसके ऊपर फुटओवर ब्रिज बन जाए ताकि आने-जाने वाले को जो सड़क के लिए रास्ता बीच में नहीं है वो जान जोखिम में डालकर उस सड़क को क्रॉस करते हैं और कम से कम भी मैट्रो से लाखों लोग उतरते हैं, बसों से उतरते हैं तो उनके लिए वहां पर फुटओवर ब्रिज बनाने की व्यवस्था, कई बारी अधिकारियों से बात हो

चुकी है, शीर्ष अधिकारियों से बात हो चुकी है, पत्राचार हो चुका है। लेकिन अभी तक वो कह रहे हैं कि कार्य चल रहा है इसके ऊपर, लेकिन अभी तक भी उसके ऊपर कोई व्यवस्था बन नहीं पाई और उसके साथ ही एक हमारा रिंग रोड पर मार्बल मार्केट है। रिंग रोड के इस साइड हमारी विधानसभा है और परली तरफ राजोरी गार्डन है। तो यहां के लोग हमारी विधान सभा से उस साइड जाते हैं क्योंकि बहुत ही बड़ी मार्केट है वहां पर राजौरी गार्डन, साथ में वहां गुरूद्वारा है, लंगर है। तो वहां पर भी एक ़ुटओवर ब्रिज बनाने के लिए, जद्दोजहद बहुत हो चुकी है, कई बारी। लेकिन अभी तक भी उसका हल निकल नहीं पा रहा। तो मेरी आपसे अध्यक्ष जी विनती है कि अधिकारियों को इसके ऊपर संज्ञान लेते हुए, ये दोनों फुटओवर ब्रिज बन जाएं जिससे कि हजारों व्यक्तियों को रोज आने जाने की सुगमता हो और उनका जीवन सुगम बने, धन्यवाद शुक्रिया।

माननीय अध्यक्षः श्री विशेष रवि जी।

श्री विशेष रविः धन्यवाद सर जी। सर ये मेरा जो आज का विषय है मैं कल बोल चुका हूं मैंने दरअसल ये विषय इम्पोर्टेंट था दो दिन के लिए लगाया था। अगर आप अलाउ करेंगे तो एक और दूसरा विषय है मैं उसको रखना चाहूंगा।

माननीय अध्यक्षः दीजिए जल्दी दीजिए, दूसरा विषय लिखित में दीजिए।

श्री विशेष रविः अच्छा, तो मैं उसे बोलकर फिर दे दूं अब लिखना पड़ेगा सर दुबारा, लिखा नहीं है।

माननीय अध्यक्षः बोलिए, बोलिए।

श्री विशेष रविः सर बहुत-बहुत धन्यवाद। सर दिल्ली के अंदर बिजली और पानी के बाद अगर सबसे बड़ी कोई योजना है जिससे दिल्ली के लोग जो है बहुत खुश हैं हमारी सरकार से, जहां बहुत आशीर्वाद मिलता है हमारी सरकार को, हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी को, हम सब विधायकों को तो उस स्कीम का नाम जो है मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना है। इस स्कीम में जो बुजुर्ग तीर्थयात्रा पर जाते हैं, जब वो जाते हैं तो उनकी चेहरे की खुशी देखने लायक होती है और जब वो आते हैं तो उसके बाद, उनकी जो दुगुनी खुशी है वो देखने लायक होती है। इतना आशीर्वाद, इतना आशीर्वाद इस योजना से सरकार को मिला और मिल रहा है लगातार कि बुजुर्ग जो है वो तारीफ करते-करते नहीं थकते हैं। वो ये कहते हैं कि जो काम हमारे परिवार के बच्चे नहीं करा पाए या नहीं करा पाते हैं वो काम जो है, वो हमारी सरकार कर रही है, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी कर रहे हैं। सर इसमें हो क्या रहा है अब कि सरकार क्योंकि एलजी साहब, केंद्र सरकार नजर बनाए हुए हैं कि कौन-कौन से कामों से जो है सरकार चल रही है, सरकार से खुश हैं। तो मैं नई जो चीज हो रही है वो आपके आगे रखना चाहता हूं। सर मैंने अपनी विधान सभा के अंदर अभी 28 तारीख को जो एक ट्रेन जा रही है उज्जैन महाकाल मंदिर के लिए उसके लिए फॉर्म भरे थे, लगभग दो सौ के करीब फॉर्म भरे थे और सर बड़ा

आश्चर्य है ये देखिये की 100 फार्म, दो सौ में से सो फॉर्म ये बोलकर रिजेक्ट कर दिये कि जो फोटो है बुजुर्गों की, जो फोटो लगाई है उसका बैकग्राउंड वाइट नहीं है। जो बुजुर्गों की फोटो लगाई गई है, उसका बैकग्राउंड व्हाइट नहीं है, ये बोलकर सिर्फ मेरी विधानसभा के सौ फॉर्म कैंसिल कर दिए है, मुझे पता नहीं कि बाकी डिस्ट्रीक्ट में क्या हो रहा है, बाकी जगह में क्या हो रहा है, लेकिन आप लोग भी अगर निकालेंगे ना, शायद अभी विधायकगण जो है वो ध्यान नहीं दे रहे हैं, क्योंकि उनके फार्म रिजैक्ट हो रहे हैं तो क्यों हो रहे हैं। अगर बाकी लोग भी निकालेंगे अलग-अलग डिस्ट्रीक्ट के अंदर तो वो ये पाएंगे की बेवजह के कारणों से जो है।

माननीय अध्यक्षः रिजेक्ट किसने किया है।

श्री विशेष रविः सर जो concerned SDM हैं।

माननीय अध्यक्षः लिखकर दीजिये।

श्री विशेष रविः सर बिल्कुल लिखकर दे रहा हूं सर फिर मैंने जब ये मुझे पता लगा तो मैंने concerned SDM से बात करी तो वो ये...

माननीय परिवहन मंत्री (श्री कैलाश गहलौत): अध्यक्ष जीऐसी कोई condition ही नहीं है कि अगर इस प्रकार से अगर फॉर्म रिजेक्ट किये जा रहे हैं तो मैं hundred percent convinced हूं ये सरासर बदमाशी है क्योंकि ऐसी कहीं भी अगर आप कैबिनेट डिसीजन भी देखें

तो इस प्रकार की कोई condition lay down नहीं की है तो ये आई थींक ये प्रॉब्लम कहीं ना कहीं...

श्री विशेष रविः बिल्कुल सर।

माननीय अध्यक्षः आप लिखकर दीजिये concerned committee को भेजता हूं मैं, लिखकर दीजिये।

श्री विशेष रविः जब ये।

श्री कुलदीप कुमारः ये तो रिज़न है वो मेडिकल सर्टिपिफकेट में भी रिजेक्ट कर रहे हैं आज की डेट में पहले कभी फार्म रिजेक्ट नहीं होता था मेडिकल सार्टिफिकेट पर अब वो कहते हैं कि तीन महीने से पुराना नहीं होना चाहिये मेडिकल सर्टिपिफकेट।

माननीय अध्यक्षः नहीं ये ठीक है।

श्री कुलदीप कुमारः ये भी एक रिज़न है।

माननीय अध्यक्षः ये ठीक है तीन महीने से पुराना नहीं होना चाहिये।

श्री विशेष रविः सर जब मैंने concerned एसडीएम से बात की तो वो मैडम जो है उनका ये कहना था कि सर जी इस पर जो है ना विजिलेंस इंक्वायरी हो रही है।

माननीय अध्यक्षः चलिये आप लिखकर दीजिये।

श्री विशेष रविः ठीक है सर मेरा निवेदन की वजह सर ये है कि इसको क्योंकि ये अरजेंट मैटर है किसी ना किसी कमेटी में इसको रैफर कर दिया जाये।

माननीय अध्यक्षः आप दीजिये ना लिखकर तभी तो होगा।

श्री विशेष रविः धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री मदन लाल जी।

श्री मदन लालः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस विषय पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, जब से माननीय केजरीवाल जी की सरकार आई है दिल्ली में पहली बार ऐसा हुआ है कि जो स्कीम कभी किसी ने सुनी नहीं थी किसी ने देखी नहीं थी किसी ने महसूस नहीं की थी वो अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने दिल्ली के लोगों की भलाई के लिये करनी शुरू कर दी है। उनमें एक स्कीम थी दिल्ली के लोगों को 20 हज़ार लीटर मुफ्त का पानी मिलेगा। ये पानी लगातार मिलता भी रहा है और जब से हमारे यहां केजरीवाल जी की सरकार आई है पानी की सप्लाई में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है स्वच्छ पानी की सप्लाई बढ़ी है परन्तु बीजेपी के लोग जो आज पावर में बैठे हैं उनको ये स्कीम कतई पसंद नहीं। देर-सवेर वो लगातार इसकी निंदा करते रहे और अब उन्होंने कोशिश करनी शुरू कर दी है कि किसी तरह इस स्कीम का लाभ लोगों को ना मिले। तो पानी की सप्लाई तो रोक नहीं सकते क्योंकि उस पर तो माननीय मंत्रीजी की नज़र है। इन पानी के बिलों में अभूतपूर्व बढ़ा बढ़ाकर भेजने की एक नई प्रक्रिया इन

लोगों ने शुरू कर दी है। मेरे क्षेत्र जहां से मैं आता हूं उसमें कई एरिया ऐसे हैं जहां पानी की सप्लाई लिमिटिड होती है ये जरूरी भी है क्योंकि तादाद लोगों की बहुत बड़ी है। पानी की सप्लाई भले ही ज्यादा बड़ी हो पर फिर भी लिमिटिड है और लगातार लोग अपना बिल की पेमेंट करते रहे हैं। जहां बिल की पेमेंट करना जरूरी है क्योंकि उससे सिस्टम में पैसा जनरेट होता है जल बोर्ड उस पैसे का इस्तेमाल विकास के कार्यों के लिये करता है। आज अचानक बढ़े हुये बिलों की वजह से क्योंकि अगर मेरे घर का किराया जो पानी का है वो अगर लगातार 20 हजार लीटर से नीचे आता रहा है उसका जो चार्जिज़ हैं तो अचानक कभी-कभी देखा गया है 50 हज़ार, 60 हज़ार, 80 हज़ार, डेढ़ लाख ऐसे बिल आने से आदमी चौंकने लगे हैं और उन्होंने उसके पैसे देने बंद कर दिये हैं, बंद करने का परपज़ उनका ये नहीं है कि वो मुफ्त में पानी चाहते हैं अगर उनकी सप्ताई ज्यादा हुई है, उन्होंने ज्यादा कन्ज्यूम की है तो वो पैसा देने को भी तैयार हैं पर अगर एक घर जो लगातार 20 हज़ार लीटर से कम पानी इस्तेमाल करता रहा है और उन्हीं given months में अप्रैल के महीने में 15 हज़ार लीटर इस्तेमाल हुआ है, मई में 20 हज़ार हो गया है, जून में 20 हज़ार हो गया है तो फिर अगस्त और सितम्बर में कैसे संभव है कि 100 हो जायेगा। जहां 20 हज़ार लीटर होना चाहिये उसका 5 गुना कैसे हो जायेगा, बिल जो पहले ज़ीरो आ रहे थे वो अचानक 50 हज़ार, 60 हज़ार, 70 हज़ार क्यों आने लगेंगे। तो माननीय केजरीवाल जी का जब यहां ध्यान इस ओर दिलाया गया तो उन्होंने ये माफी योजना मुफ्त का

पानी देने की नहीं है, सरकार की नीति है कि अगर 20 हज़ार लीटर पानी से अगर किसी ने ज्यादा कन्ज्यूम किया है तो उनको चार्जिज़ देने होंगे पर वो तब दे ना आदमी जब 20 हज़ार लीटर से ज्यादा इस्तेमाल किया है। तो लोगों के मन में जो एक भ्रांति भी उसको दूर करने के लिये लोगों के बिलों को जो अनाप-शनाप भेजे जा रहे हैं कंट्रोल करने के लिये माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक स्कीम लाई वो स्कीम है कि जितने भी अनाप-शनाप बिल हैं जहां लोगों को लगता है जो उनके कई गुना बिल जो पहले कभी नहीं आते थे अचानक आने लगे हैं उनको दुरूस्त कराया जाये। दिल्ली में ऐसे लोगों की संख्या कोई 40 परसेंट के करीब है। साढ़े दस लाख से ज्यादा लोग आज इन बढ़े हुये बिलों की वजह से चिंतित हैं, साढ़े सत्ताईस लाख से ज्यादा कंज्यूमर परिवार हैं। अगर 40 परसेंट लोग अपने बढ़े हुये बिलों को भुगतान नहीं करेंगे क्योंकि उनको वो बहुत ज्यादा लगता है जो ज्यादा है भी तो सरकार को रेवेन्यु आना बंद हो जायेगा और सरकार को रेवेन्यु तो जो 20 हज़ार लीटर आता है उसकी भी सब्सिडी के पैसे जाते हैं तो जल बोर्ड को भी अभी अचानक पैसा जाना बंद हो गया है और बंद केवल इन अधिकारियों की जान-बुझकर बदमाशी के कारण हुआ है। अभी आज के दिन हालत ये है, सही राम जी अभी बता रहे थे। मेरे इलाके में दो जगह पानी की लाइनें टूटी हुई हैं एक जगह डिफेंस कॉलोनी में लाखों लीटर पानी बह रहा है, एक जगह कोटला में पानी की लाइन से हज़ारों लीटर पानी बह रहा है। डिपार्टमेंट पर पैसे ही नहीं हैं, डिपार्टमेंट का कोई ठेकेदार ठेका लेने को तैयार नहीं है, कोई काम करने को तैयार

नहीं है क्योंकि ठेकेदारों की पेमेंट पीछे बहुत दिनों से रूकी हुई है। विकास के नये काम नहीं हो रहे ये एक बात है। सीवर बह रहा है, पानी की लाइन टूटी पड़ी है वो एक अलग बात है पर जहां लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा हो अगर ऐसी जगह भी मेन्टेनेंस के लिये पैसे नहीं हैं तो ये भयावह स्थिति है। लोग रोज़ हमारे दफ्तर में बिलों को लेकर आते हैं कि साहब पानी के कनैक्शन कटने का खतरा पैदा हो गया है ये बताईये बिल क्यों भरें हम, हम इन बिलों को क्यों दें हमारा बिल कभी नहीं आया, आपकी स्कीम के मुताबिक हम हर रोज़ हर महीने हर साल 20 हज़ार की लिमिट में आते थे अब अचानक ये 50 हज़ार ये 80 हज़ार के बिल कहां से दे इनको।

माननीय अध्यक्षः मदन लाल जी कन्क्लूड करिये प्लीज़।

श्री मदन लालः आज ये जो स्थिति आ गई है मैं माननीय हाई कोर्ट का भी धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने आदेश दिया है पर इन बेशर्म अधिकारियों को शर्म ही नहीं आ रही है ये शायद contempt से भी नहीं डर रहे हैं क्योंकि पीछे ताकत दूसरी है वो अब जजों से डरना बंद कर रहे हैं, ये बहुत अजीब सी स्थिति पैदा हो गई है। तो मुझे लगता है सारा सदन पूरी दिल्ली इससे चिंतित है और ये मुफ्त नहीं है, सब लोग केवल कह रहे हैं हमारा बिल ठीक करा दीजिये बस हम पैसा सरकार को देने को तैयार हैं। माननीय केजरीवाल जी भी यही कह रहे हैं, माननीय जल मंत्री भी यही कह रहे हैं कि लोग अपना बिल भरना चाहते हैं पर ईमानदारी से भरना चाहते हैं, वो उस पानी का भरना चाहते हैं जो उन्होंने कन्ज्यूम किया है, बेईमानी का नहीं।

आज दिल्ली जल बोर्ड के कुछ अधिकारी दिल्ली के लोगों को लूटना चाह रहे हैं। आपने मुझे इस पर बोलने का मौका दिया मैं आपका धन्यवाद करता हूं और माननीय केजरीवाल जी और जल मंत्री का धन्यवाद करता हूं कि वो लोग इसके लिये प्रयत्नशील हैं और हमें उम्मीद है कि माननीय केजरीवाल जी के नेतृत्व में लोगों को जरूर न्याय मिलेगा और 20 हज़ार लीटर का जो उनका सपना है हर लोगों को देने का वो लगातार जारी रहेगा और तबतक जारी रहेगा जबतक लोगों को पानी के लिये उनकी सब्सिडी, उनके बिल ठीक नहीं हो जाते आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री बिधूड़ी जी।

श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी (माननीय नेता, प्रतिपक्ष): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, में आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय का ध्यान दिल्ली सरकार के 12 पूर्ण वित्त पोषित कॉलेजों को दिल्ली सरकार द्वारा ग्रांट जारी नहीं किये जाने से उत्पन्न स्थिति की और आकर्षित करना चाहता हूं। ये 12 कॉलेज पूरी तरह से दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित हैं। वर्ष 2019 में ईडब्ल्यूएस के आरक्षण के कारण 25 प्रतिशत सीटें बढ़ाई गईं लेकिन दिल्ली सरकार ने इसके लिये अभी तक कोई अतिरिक्त फंड जारी नहीं किया है जिसके कारण इन 12 कॉलेजों में कर्मचारियों और शिक्षकों की कमी हो गई है। अध्यक्ष महोदय अनियमित और अपर्याप्त ग्रांट के कारण शिक्षकों एंव अन्य कर्मचारियों को पेंशन और अन्य भत्ते समय पर नहीं मिल पा रहे हैं। सातवें वेतन आयोग के बकाया भी दिल्ली सरकार नहीं दे पा रही है। उच्च न्यायालय भी

अनुदान जारी करने के लिये अंतरिम आदेश दे चुका है कि दिल्ली सरकार तुरंत 12 कॉलेजों की ग्रांट जारी करे ताकि इन कॉलेजों के शिक्षकों, कर्मचारियों को समय पर वेतन मिल सके। अध्यक्ष महोदय, इन कॉलेजों में बढ़ी संख्या में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं जिससे शिक्षा पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध करता हूं कि दिल्ली सरकार द्वारा 100 प्रतिशत वित्त पोषित इन बारह कॉलेजों को जल्द से जल्द एवं समय पर पर्याप्त ग्रांट जारी करें तथा इन बारह कॉलेजों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की खाली पड़ी सीटों को तुरन्त भरने के लिए मैं दिल्ली सरकार से मांग करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः सुरेन्द्र कुमार जी, (अनुपस्थित)। अखिलेशपति त्रिपाठी जी।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः अध्यक्ष महोदय, आज मैं दिल्ली के उन असहाय लोगों का मुद्दा सदन के सामने रखने जा रहा हूं जिनको भारतीय जनता पार्टी की गंदी राजनीति के कारण एलजी साहब के इशारे पर अधिकारियों ने उनके निवाले छीनने का काम कर लिया है। आदरणीय अरविंद केजरीवाल जी की सरकार ने जहां निःशुल्क बिजली, पानी, शिक्षा स्वास्थ्य के क्षेत्र में नायाब काम करके कीर्तिमान स्थापित किया, अध्यक्ष महोदय, वहीं पर समाज कल्याण के क्षेत्र में भी देश में सबसे अधिक सामाजिक सहायता राशि उपलब्ध कराके 2500/-रूपया अपने विधवा महिलाओं को, दिव्यांग जनों को और बुजुर्गों को सशक्त करने का काम किया है। अब भारतीय जनता पार्टी को ये बातें पचती नहीं

है। ये लगातार हमारे काम के पीछे, अभी साथी बता रहे थे कि किस तरीके से कहीं सीवर का पैसा रोकने का काम हो रहा है, कहीं पर जो है पानी का काम रोकने का काम कर रही है भारतीय जनता पार्टी। अब बिल माफ कराना चाहते हैं उसको रोकना चाहती है भारतीय जनता पार्टी। कभी अस्पतालों से जो है डाक्टरों की तनख्वाह रूकवा देती है। कभी जो है जांच बंद करवा देती है। अध्यक्ष महोदय, मैं मुद्दे पर आता हूं। उन जरूरतमंद लोगों को असहाय लोगों को उनकी हाय लगेगी भारतीय जनता पार्टी को। उनका आज मैं बताना चाहता हूं मेरे ऑफिसों में लगातार लोग चक्कर लगा रहे है। एक-एक साल से लोगों के पेंशन नहीं आई है। 140 लोगों की लिस्ट मैने सदन पर रखी है। 140 लोगों का विधवा महिलाओं का मैने सदन के पटल पर आपके इस प्रश्न के साथ ही मुद्दे के साथ एक लिस्ट भी दिया हुआ है वहां पर, आप उस पर संज्ञान लीजिए। दर-ब-दर की ठोकरें खा रहे हैं वो महिलाएं। तमाम बुजुर्गों का छः छः महीने से पेंशन रोकने का काम भारतीय जनता पार्टी के एलजी ने जो है करने का जुर्रत किया है। क्या चाहते हैं, दिल्ली को क्या बनाना चाहते हैं ये लोग? आज बुजुर्ग ये पूरे दिल्ली का मामला है। मैं सभी साथियों को कहना चाहता हूं, आज बुजुर्ग दो महीने हो गए सारे बुजुर्गों का किसी बुजुर्ग का पेंशन नहीं आया जी और जब मैंने अधिकारियों से पता करने की कोशिश की अध्यक्ष महोदय, तो मुझे बताया गया कि इस 2500/-रूपये में से 180/-रूपया केन्द्र की सरकार से आता है। पिछले डेढ दो सालों से केन्द्र की सरकार ने वो पैसा नहीं दिया है बुजुर्गो का। कितनी शर्म की बात है। उन बुजुर्गो का हक का पैसा मार के बैठे हुए हैं। मुझे याद है राजेन्द्र पाल

गौतम जी उस समय मंत्री हुआ करते थे। उस समय भी ये पास हुआ कि जब तक केन्द्र की सरकार पैसा नहीं दे रही है हमारी सरकार केबिनेट ने पास किया, हम अपने पास से पैसा देंगे। लेकिन नियत समय पर उन जरूरमंद लोगों को जो रोटी खाते हैं उस पैसे से, दवाईयां खाते हैं। सारी जरूरत की चीजें उनकी चलती है। उनका पेंशन रूकना नहीं चाहिए, अरविंद केजरीवाल जी ने निर्णय लिया था। आज उस निर्णय को हमारे समाज कल्याण मंत्री ने फिर आगे बढाया लेकिन अभी तक वो फाइल, इस समय के वित्त सचिव ने रोकने का काम कर दिया जिसकी वजह से पूरी दिल्ली में सारे बुजुर्गो की पेंशन, विधवाओं की पेंशन और दिव्यांगजनों की पेंशन रूकने का संकट आ गया अध्यक्ष महोदय। अध्यक्ष महोदय, आपसे गुहार करना चाहता हूं वित्त सचिव को ऐसा सबक सिखाना चाहिए इस सदन को कि नजीर हो कि वो जो दिल्ली के काम रोकना चाहते हैं वो ना रोक पायें। अगर आप इस सदन से बच जाओगे, वित्त सचिव मैं बताना चाहता हूं एलजी साहब भगवान ऐसा मार मारेगा आपको याद रखना। उन गरीब लोगों के मुंह से निवाला छीनने का काम कर रहे हैं। वो लोग बेचारे दवाईयां नहीं खा पा रहे हैं। लोग आ जाते हैं भाई साहब दवाई नहीं ले पा रहे। 200/- रूपये की दवाई लेते थे, पांच सौ रूपये की दवाई लेते थे। महोल्ला क्लीनिक को कहते हैं भला हो केजरीवाल का कि मोहल्ला क्लीनिक खोल दिया।

माननीय अध्यक्षः अखिलेश जी कन्क्लूड करिये।

श्री अखिलेशपति त्रिपाठीः नहीं तो हमारा हालत खराब हो जाता। बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय। इसमें संज्ञान लीजिए और तुरन्त

समाज कल्याण का अधिकारी यहां होना चाहिए। मैं आज ये भी बताना चाहता हूं सदन में एक भी अधिकारी किसी दीर्घा में नहीं बैठा हुआ है। ये बहुत सदन के लिए चिंता का विषय है। मैं सारे सदस्यों का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। इस पर भी संज्ञान ले सदन और तुरन्त समाज कल्याण के जो कमिशनर है उनको बुलाया जाये और इस पर जो भी समाधान हो सकता है, वित्त सचिव को बुलाकर कराया जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री महेन्द्र गोयल जी। ये मैं साढ़े बारह बजे तक लूंगा। साढ़े बारह बजे तक जिनके भी, बाकी भी कम्पलीट जाएं, थोड़ा कम विषय पर रखिये।

श्री महेंद्र गोयलः बिल्कुल कम रखेंगे अध्यक्ष जी, धन्यवाद आपका। अध्यक्ष जी, आज दिल्ली के अंदर काफी कामों को रोकने का काम चल रहा है। मेरे यहां पर बहुत से डार्क स्पॉट हैं जिसके ऊपर मुझे लाईटें लगवानी हैं। सदन के माध्यम से मैं कहना चाहूंगा कि मेरे जहां-जहां पर भी डार्क स्पॉट है तो वहां पर वो लाईटें लगवाई जायें और सदन में आज लेट आने का मेरा एक और कारण है। अध्यक्ष जी, आज मेरे ऑफिस के ऊपर सौ डेढ सौ आदमी आ गए। जो पानी के बिलों के बारे में चल रहा है। लोगों ने आकर हा-हाकर जैसे मचाई है, लोगों के साथ में अब ऑफिसों के अंदर भी दुर्व्यवहार होना चालू हो गया है। लोग मेरे यहां पर आज बहुत से बिल फूंक कर गए हैं। मुंह के ऊपर मारकर गए हैं। बहुत दुःख होता है। इस सदन के माध्यम से मैं ये ही कहना चाहूंगा कि जो हम ये स्कीम लेकर आ रहे थे, एक

मुश्त योजना जिसके अंदर वो निपटारा हो जाये। तो वो बिलों का निपटारा होना चाहिए जल्द जल्द। ये स्कीम लागू होनी चाहिए, नही तो लोग सड़कों पर उतर आयेंगे। आज तो मेरे ऑफिस तक आये हैं, कल वो विधान सभा भी आ सकते हैं। परसों वो सैक्रेट्रिऐट भी जा सकते हैं। उसके बाद वो पार्लियामेंट भी जा सकते हैं। तो ये देश के अंदर ये दिल्ली के अंदर अराजकता ना फैले इस सदन के माध्यम से ये ही अनुरोध करता हूं कि एक मुश्त योजना जो हमारी पानी के बिलों पर ये स्कीम थी तो ये लागू होनी चाहिए, धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः नहीं जो आपने लिखित में दिया।

श्री महेंद्र गोयलः लिखा तो बहुत था लेकिन आपने कहा था कि ये जल्दी से करना है ताकि और भी साथियों को बोलने का मौका मिले और देर से सदन में मैं पहुंचा इसके लिए मैं माफी चाहता हूं ।

माननीय अध्यक्षः डार्क स्पॉट जो आपने बोले हैं। वो एमसीडी रोड के है, पीडब्ल्यूडी के। इसमें लिखा नहीं। वो एमसीडी रोड पर है, पीडब्ल्यूडी रोड पर। ये लिखा नहीं आपने।

श्री महेंद्र गोयलः ये अध्यक्ष जी, जो अन-ओथोराईज्ड कॉलोनी है, एमसीडी की रोडें हैं। ये उनके ऊपर लगवानी है।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद।

श्री महेंद्र गोयलः अन-ओथोराईज्ड कालोनी वालों का कोई कसूर नहीं है कि आज वहां पर लाईटें नहीं लगती। तो ये अन-ओथोराईज्ड

कालोनियों के अंदर भी ये लाईटें लगनी चाहिए। ये ही मैं अनुरोध करता हूं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री जून साहब।

श्री बी एस जूनः धन्यवाद अध्यक्ष जी। सर दिल्ली में तकरीबन 360 गांव हैं और इन 360 गांवों में approximately 135 गांव urbanized declare हो चुके हैं। जब भी कोई गांव urbanized declare होता है तो उसकी जितनी भी ग्राम सभा लैंड है वो आज के दिन सारी डीडीए में ट्रांसफर हो जाती है। ऑनरशिप उसकी डीडीए में हो जाती है। तो आजकल एक दिक्कत बहुत आई हुई है कि गांव में ग्राम सभा में या लाल डोरा में काम करवाना हो तो भी एनओसी मांगते हैं। कल ही सर मुझे एक सैंक्शन मिली मैं उसकी एक लाईन पढ़ना चाह रहा हूं ये थी repair and reconstruction of internal streets in Valmiki and Jaatav Basti in Mahipal Pur village, letter है department for the Welfare of SC/ST/OBC सैंक्शन आ गई सर ठीक है, लेकिन उसमें एक ऐसा क्लॉज लगा दिया कि जिसमें काम कभी हो नहीं पायेगा। क्लॉज नम्बर-2 है सर executing agency must take prior approval of this …. Sorry must take … NOC must be obtained from the MCD, DUSIB, UD, DDA, Directorate of Panchayat or land owning agency, as the case may be, before the deposit work is taken up. सर ऐसे तो ये काम कभी होगा ही नहीं। सैंक्शन भी ग्रांट हो गई है उधर से से कन्डीशन लगा दी कि एनओसी लेकर आओ। सर मैं आज तक डीडीए या एससीडी ने कोई सैंक्शन नहीं ग्रांट की, कोई एनओसी ग्रांट नहीं

की। मेरा एक केस है के. ब्लॉक महिपाल पुर का जहां एक स्टोरी कम्यूनिटी सैंटर बनाया गया बाद में डीडीए ने आ के रूकवा दिया कि आपने एनओसी नहीं लिया। भारती जी को भी मैंने कोशिश की इनको लैटर दिया शायद ये भी कुछ मदद नहीं कर पाए डीडीए की मीटिंग में और वो बिल्डिंग आज खंडहर बन गई। तो अगर साथ के साथ ऐसे ऑबजेक्शन लगते रहे सैंक्शन में तो दिल्ली में तो कोई काम सर हो ही नहीं पाएगा और ऐसा लगता है कि जानबूझ के डिपार्टमेंट्स को इंस्ट्रक्शंस दी गई हैं कि तुम ये ऑबजेक्शन लगाओ कि एनओसी लेनी पड़ेगी prior approval mandatory है और अगर एनओसी नहीं लगी है तो काम नहीं हो पाएगा और ये सब सर Lt. Governor Office से या चीफ सैक्रेट्री ऑफिस से हो रहा है। इस पर और ये सारा सर मेरी विधानसभा का नहीं है पूरी हर विधानसभा में ये प्रॉब्लम है। हर विधानसभा में ये दिक्कत है। तो एक डिस्कशन सर इस प्वाईंट पर जरूर होनी चाहिए और कुछ ना कुछ डिसीजन लेना चाहिए ताकि इस प्रॉब्लम को sort out किया जा सके। साल्व किया जा सके सर। इलैक्शन इयर है सर सात आठ महीने रह गए काम कब होगें। पैसा दिल्ली सरकार दे रही है अगर ऐसे एनओसी पे ऑबजेक्शन लगने लगे तो सर कोई काम नहीं हो पाएगा।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई ये बिना इजाजत के जो 280 में बोल रहे हैं उनको तो कंप्लीट करने दो, उनको तो कंप्लीट करने दो। कंप्लीट हो गया आपका।

श्री बी.एस.जून: सर मैं एक नोटिस इसमें रूल 55 में दूंगा मेरी आपसे रिकवेस्ट है कि इस पे डिस्कशन कराएं और इसको सार्ट आउट करें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: नहीं डिस्कशन के लिए आप उचित नोटिस दीजिए।

श्री बी.एस.जून: मैं दे रहा हूं सर नोटिस।

माननीय अध्यक्ष: हां दीजिए, डिस्कशन करवा देंगे।

श्री जरनैल सिंह: स्पीकर साहब, हुआ क्या मतलब ये तो एनओसी का मामला है ना।

माननीय अध्यक्ष: भई ये साढ़े बारह बजने में - नहीं डिस्कशन की बात हो गई है आप डिस्कशन मांग करो ना।

श्री जरनैल सिंह: सदन की नॉलेज में आना जरूरी है, बहुत गंभीर मामला है।

माननीय अध्यक्ष: डिस्कशन करवाइए इसको भी।

श्री जरनैल सिंह: डिस्कशन तो सर होएगी जब फिर कर लेगें।

माननीय अध्यक्ष: हां आने दीजिए उसको।

श्री जरनैल सिंह: स्पीकर साहब एक लाइन में बता दे रहा हूं।

माननीय अध्यक्ष: श्री कुलदीप कुमार जी आखिरी है बस ये।

श्री जरनैल सिंहः स्पीकर साहब डीडीए वाले एनओसी देना तो दूर की बात जो बनी बनाई - assets है जनता के पैसे से जनता के लिए बनी assets को तोड़ रहे हैं। जनता के पैसे से जनता के लिए बनी assets है, सरकारी पैसे से सरकारी जगह पर बनी assets है कल मेरी विधानसभा क्षेत्र के विकास कुंज में डीडीए ने वो assets तोड़ दी स्पीकर साहब क्या करें?

माननीय अध्यक्षः एक सदस्य अपनी पीड़ा रख सकता है उसको रख लेने दीजिए। श्री कुलदीप कुमार जी। बस आखिरी।

श्री कुलदीप कुमारः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने 280 के तहत मुझे बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, जैसा कि सबको पता है कि लगातार हम सभी विधायक अपनी विधानसभा के विधायक कार्यालय में बैठते हैं और विधायक कार्यालय के अंदर आजकल जब हम बैठते हैं तो लगातार पिछले एक डेढ साल से जो पानी के बढ़े हुए बिल हैं उनको लेकर लोग हमारे पास आ रहे हैं और वो जो बढ़े हुए पानी के बिल हैं अध्यक्ष जी उनमें कोविड काल के अंदर जब कोई भी घर से बाहर नहीं निकल पा रहा था दिल्ली में लॉक डाउन लगा हुआ था, जगह जगह गलियां बंद थीं, ऑफसर घर से बाहर नहीं निकल रहे थे, ऑफिस से बाहर नहीं जा रहे थे उस समय पर मीटर रीडर भी जो थे रीडिंग लेने नहीं जा पा रहे थे और जब वो रीडिंग लेने नहीं जा पा रहे थे तो उन्होंने अनाप शनाप तरीके से अपने हिसाब से मीटर रीडिंग लिख दी जिससे वहां हमारे क्षेत्र में मेरी विधानसभा में कल्याण पुरी, कोंडली, मुल्ला कालोनी, राजवीर कालोनी, न्यू कोंडली जैसे इलाकों में

लोगों के बिल 50 हजार रूपये, एक लाख रूपये, दो लाख रूपये कल तो अध्यक्ष जी मैंने एक बिल देखा जो छह लाख रूपये का बिल था। मतलब 22 गज के मकान का बिल छह लाख रूपये। आप सोचिए क्या उसने ऐसा कौन सा पानी पी लिया, ऐसा कौन सा वॉटर था वो पानी कोई वो तो नहीं था जो मोदी जी पीते हैं। वो वाला पानी हो तो फिर तो छह लाख का बिल आ सकता है अध्यक्ष जी। एक आम आदमी गंगा वाटर पी रहा है जल बोर्ड का उसका छह लाख का बिल आ जाए ये तो बड़े अचंभे की बात है। तो छह लाख रूपये का बिल, सात लाख रूपये का बिल उस मकान की कीमत छह लाख रूपये है अगर वो मकान भी बेच के दे दे तो भी बिल नहीं भर सकता पूरा, तो ये जो समस्या है इस समस्या को देखते हुए दिल्ली सरकार जो वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लेकर आई अब वो स्कीम दिल्ली के लोगों के भले की स्कीम है। उससे जलबोर्ड को भी फायदा होगा क्योंकि अगर लोगों के उपर छह लाख का बिल है अगर छह का नहीं होगा अगर जलबोर्ड निकालेगा तो छह हजार रूपये का तो होगा ही होगा वो छह हजार जलबोर्ड के खाते में जमा हो जाएगें। जलबोर्ड को भी फायदा होगा। जो वनटाइम सैटलमेंट स्कीम आई है अध्यक्ष जी, मुझे तो बड़ी हैरानी हो रही है कि वो स्कीम बोर्ड से पास हुई है। ये विधानसभा के विधायक सभी अपना दर्द बयां कर चुके हैं। दिल्ली विधानसभा चाहती है कि गरीब लोगों के पानी के बिल की वनटाईम सैटलमेंट स्कीम आए और दिल्ली जलबोर्ड चाहता है स्कीम आए, दिल्ली के मुख्यमंत्री चाहते हैं, दिल्ली के मंत्री चाहते हैं, तो ये कौन लोग हैं जो सरकार पूरी

चाहती है उसके बाद भी उस स्कीम को रोक रहे हैं। क्या ताकत है उनके पास, क्या शक्तियां हैं उनके पास? क्या संविधान में उनके पास कोई शक्तियां हैं ऐसी जो वो रोक रहे हैं? तो आज जिस प्रकार से ये स्कीम का मसला तो है साथ साथ दिल्ली के लोगों के वोट के अधिकार का मसला भी है कि उनके लिए एक सरकार स्कीम ले के आती है और अधिकारी उस स्कीम को रोक देते हैं। ऐसी क्या ताकत अधिकारी के पास है? तो मैं कहना चाहता हूं अध्यक्ष जी कि ये जो स्कीम है इस स्कीम को तुरंत प्रभाव में जल्द से जल्द लागू कराया जाए ताकि दिल्ली के लाखों परिवारों को इसका फायदा मिल सके। अगर ये स्कीम पास नहीं होती है तो दिल्ली के एक एक घर तक हम सभी विधायक जाएंगे। हम सभी साथी जाएंगे। इसको जन आंदोलन बनाएंगे लेकिन दिल्ली के लोगों का जो पानी का बिल है वो माफ करा के रहेंगे और मैं तो कहता हूं सदन के माध्यम से मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि दिल्ली के लोगों से भी कहा है कि आप अपना पानी का बिल मत भरना। आप का पानी का बिल दिल्ली के मुख्यमंत्री आपके बेटे अरविंद केजरीवाल जी माफ करा के देगें। तो इसलिए दिल्ली के कोई भी नागरिक ये पानी का बिल ना भरें। जब सरकार उनका बिल माफ करना चाहती है और किसी भी चुनी हुई सरकार के पास ये शक्ति है, ये ताकत है कि वो अपने लोगों के लिए, अपनी जनता के लिए एक अच्छी स्कीम ले के आए, उनको फायदा पहुंचाए। अब मुख्यमंत्री जी अच्छी स्कीम लोगों के लिए ले के आते हैं वो स्कीम रूक जाती है। मोदी जी अडानी के लिए ले के आते हैं, वो स्कीम रूकती नहीं है।

वो स्कीम पास हो जाती है। ये अडानी को फायदा पहुंचाओ तो कोई दिक्कत नहीं है, जनता को फायदा पहुंचाओगे तो स्कीम रूक जाएगी।

माननीय अध्यक्षः कुलदीप जी हो गया, हो गया, प्लीज।

श्री कुलदीप कुमारः धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया। बहुत बहुत धन्यवाद। बहुत बहुत आभार लेकिन अध्यक्ष जी ये मसला बहुत गंभीर है और अगर जब तक ये मसला पूरा नहीं होगा हम सब लोग इस प्रकार सदन में विरोध करते रहेंगे

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गए)

माननीय अध्यक्षः भई मैं आप अपनी सीट पे सीट से खड़े हो के बात करें। अखिलेश जी सीट से खड़े होकर। वैल में मत आइए। कृपया वैल में मत आइए। मैं आपसे प्रार्थना कर रहा हूं अपनी सीट से जो कुछ कहना हो वहीं कहिए। मैं माननीय सदस्यगणों से प्रार्थना कर रहा हूं एलजी के अभिभाषण पर चर्चा होनी है..

श्री कुलदीप कुमारः अध्यक्ष जी मैं आज ये पानी के बिल ले के आया हूं यहां पे और पानी के बिल इस सदन के अंदर आज हम फाड़ रहे हैं और कोई भी दिल्ली वाला पानी के बिल ना भरे अध्यक्ष जी। आज हम ये पानी के बिल यहां पर फाड़ रहे हैं अध्यक्ष जी। कोई भी दिल्ली वाला पानी के बिल ना भरे अध्यक्ष जी।

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः मैं पुनः माननीय सदस्यों से अनुरोध कर रहा हूं कृपया अपने स्थान पर बैठें। माननीय सदस्य गण एक बजे तक हाउस स्थगित किया जाता है।

(सदन की कार्यवाही 1 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

सदन पुनः अपराहन् 1.08 बजे समवेत हुआ

माननीय अध्यक्ष (श्री रामनिवास गोयल) पीठासीन हुए।

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये और नारेबाजी करने लगे)

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यों से मेरा आग्रह है एलजी के अभिभाषण पर चर्चा नहीं हुई है अभी तक। कृपया अपने स्थान पर बैठें। माननीय सदस्य गणों से प्रार्थना है कृपया अपने स्थान पर बैठें। माननीय सदस्य गण आपने अपने स्थान पर बैठें।

(सत्ता पक्ष के सभी सदस्य बैनर लेकर वैल में आ गये)

माननीय अध्यक्षः अब सदन की कार्यवाही सोमवार दिनांक 26 फरवरी, 2024 को पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(सदन की कार्यवाही सोमवार दिनांक 26 फरवरी, 2024 को पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।